उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् रामनगर (नैनीताल)

(उत्तराखण्ड)

नोट— [illegible]

नोट— [illegible] किसी भी भाग पर न लगायें।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाय—

अनुक्रमांक (अंकों में)

अनुक्रमांक (शब्दों में)—

विषय सामाजिक विज्ञान

प्रश्नपत्र संकेतांक 234(HUJ)

परीक्षा का दिन सोमवार

परीक्षा तिथि

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय—

केन्द्र संख्या

परीक्षा कक्ष संख्या

उपरोक्त सभी प्रविष्टियों की जाँच करके [illegible] ठीक कर ली गयी है।

कक्ष निरीक्षक का नाम—

दिनांक 18-03-19

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन सम्बन्धित प्रश्न पत्र संकेतांक तथा मूल्यांकन निर्देशों के अनुसार किया है। प्राप्तांकों का मुखपृष्ठ पर [illegible] कर प्राप्तांकों एवं प्राप्तांकों के योग का मिलान कर लिया गया है। एवार्ड ब्लैंक में प्राप्तांकों की अंकन कर उनका पुनः मिलान भी कर लिया है। किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा/गी।

परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या

1. [illegible] के हस्ताक्षर व संख्या

2. [illegible] के हस्ताक्षर व संख्या

सन्निरीक्षा प्रयोगार्थ

सन्निरीक्षण पूर्व अंक

सन्निरीक्षा पश्चात् अंक

[illegible]

[illegible]

हस्ताक्षर [illegible]

01
02
03
04
05
06
07
08
09
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30

योग (शब्दों में) योग (अंकों में)

प्रश्न सं. 1:-

उत्तर: (ii) रुडयार्ड किपलिंग

प्रश्न सं. 2:-

उत्तर: (iii) असम

प्रश्न सं. 3:-

उत्तर:

पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों जैसे जोवाई व चेरापूंजी में खनन हेतु लंबी सुरंग बनाई जाती है। खनन करने की इस प्रणाली को रेट होल खनन कहते हैं।

प्रश्न सं. 4:-

उत्तर: (ii) चेन्नई (1904 में)

प्रश्न सं. ५ :-

उत्तर :- एक ऐसा समाज जहाँ जाति, धर्म, लिंग तथा भाषा के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो, समरूप समाज कहलाता है।

प्रश्न सं. 6 :-

उत्तर :- पारिवारिक मुद्दों या समस्याओं से संबंधित कानून ही पारिवारिक कानून कहलाते हैं। इन कानूनों के अंतर्गत तलाक लेना, उत्तराधिकारी बनाना, गोद लेना इत्यादि मुद्दे आते हैं।

प्रश्न सं. 7 :-

उत्तर :- वह शासन प्रणाली जिसमें देश का प्रतिनिधि चुनने का अधिकार जनता के पास होता है व जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली कहलाती है।

प्रश्न सं. 8 :-

उत्तर :- HDR → Human Development Report.

प्रश्न सं. 9:-

उत्तर:- NCC का एक उद्देश्य:-
युवाओं का चरित्र निर्माण कर उनमे देश-प्रेम की भावना जागृत करना।

प्रश्न सं. 10:-

उत्तर :- (ii) जिलाधिकारी।

समूह 'अ'

प्रश्न सं. 11:-

उत्तर: पूर्व आधुनिक विश्व मे बीमारियों के प्रसार ने अमेरिकी भू-भागों के उपनिवेशीकरण मे मदद की। इस तथ्य के पक्ष मे तर्क निम्नवत है:-

[1] 1870 के दशक मे यूरोपीय शक्तियाँ अमेरिकी भू-भागों मे आई।

[2] ये शक्तियाँ अमेरिकी नागरिकों को वेतन पर लगा कार्य करवाना चाहती थी जिससे वे उपनिवेशकारों के गुलाम बन जाये।

[3] 18 वी सदी मे अमेरिकी महाद्वीपो मे आजीविका मुख्य साधन पशुपालन था।

[4.] यही कारण था कि वहाँ के नागरिकों ने वेतन पर कार्य करने के लिये मना कर दिया।

5. कुछ समय पश्चात 1880 के दशक में यूरोप से कुछ पशुओं को भी इन महाद्वीपों में लाया गया।

6. ये पशु अपने साथ बीमारियों के विषाणु लाये व संपूर्ण महाद्वीप में संक्रमण फैल गया।

7. इस प्रकार यह महामारी एक आग की भाँति संपूर्ण महाद्वीप में फैल गई।

8. यूरोपीय उपनिवेशकारों ने बचे हुये पशुओं को भी जब्त कर लिया तथा अवसर का लाभ उठाते हुये अमेरिकी लोगों को वेतन पर कार्य हेतु लगा लिया।

9. इस प्रकार आधुनिक विश्व में बीमारियों के प्रसार से अमेरिकी भूभागों के उपनिवेशीकरण में मदद मिली।

प्रश्न सं. 12.

उत्तर: 19वीं सदी में बंबई की आबादी में वृद्धि होने के कारण निम्नवत हैं:

1. **बंबई प्रेसीडेंसी की राजधानी :-** बंबई प्रेसीडेंसी की राजधानी घोषित किये जाने के पश्चात बंबई सभी लोगों के लिये आकर्षण का केंद्र बन गया तथा भारी संख्या में लोग बंबई में विस्थापित होने लगे।

2. कपास तथा अफीम का उत्पादन :-
बंबई की आर्द्र जलवायु के कारण वहाँ कपास तथा अफीम का अच्छा उत्पादन होता है, इसी कारण अनेक उद्योगपति वस्त्र उद्योग की सफलता हेतु बंबई मे आने लगे।

3. समुद्रतटीय स्थान :-
बंबई के एक समुद्रतटीय स्थान होने के कारण यहाँ से समुद्री व्यापार व आयात-निर्यात सुगमता से होता है जिस कारण यहाँ अनेक कारखाने लगाये जाते थे। अत: अनेक युवा कारखानों मे रोजगार-प्राप्ति हेतु बंबई आने लगे।

प्रश्न सं. 13 :

उत्तर : 19वीं शताब्दी मे मुद्रण ने भारतीय महिलाओं को बहुत अधिक प्रभावित किया जिससे :-

1. साक्षरता दर मे वृद्धि :- मुद्रण के प्रचार - प्रसार से शिक्षा का भी प्रचार हुआ। महिलायें उपन्यासों के प्रति आकर्षित होने लगीं। धीरे- धीरे महिला वर्ग, पाठक वर्ग बन गया तथा महिला साक्षरता दर एकाएक बढ़ने लगी।

(2) **अधिकारों की शिक्षा:-** जब महिला अधिकारों तथा महिलाशक्ति के संदर्भ में किताबे मुद्रित होने लगी तो महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में शिक्षा मिली। वे समाज में अपने अधिकारों व अपने महत्व के बारे में जानने लगी।

(3) **लेखन में आगमन:-** इन उपन्यासों से प्रभावित होकर कई महिलाओं ने लेखन क्षेत्र में कदम रखा जिससे इस क्षेत्र में भी लैंगिक असमानता दूर होने लगी।

इस प्रकार 19वीं सदी में मुद्रण ने भारतीय महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन किया।

प्रश्न सं.14:-

उत्तर(a) **व्यापार**

उद्योग क्षेत्र में किसी एक उद्योग का संचालन कर ~~माल~~ उत्पादित माल का आयात - निर्यात कर धन अर्जित करना ही व्यापार (trade) कहलाता है।

स्थानीय तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मे अंतर

स्थानीय	अंतर्राष्ट्रीय
[1.] स्थानीय व्यापार दो शहरो, कस्बों या प्रायः दो प्रान्तों के मध्य होने वाला व्यापार है।	[1.] अंतर्राष्ट्रीय व्यापार दो राष्ट्रों अथवा महाद्वीपों के मध्य होता है।
[2.] स्थानीय व्यापार से देश का धन देश मे ही रहता है।	[2.] अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से अधिकाधिक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्राप्त होती है।
[3.] स्थानीय व्यापार एक छोटे स्तर पर संचालित होता है।	[3.] अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विशाल स्तर पर संचालित होता है।

प्रश्न सं. 15 :-

उत्तर: लोकतन्त्रात्मक शासन प्रणाली निम्न रूप से एक उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध सरकार का गठन करती है :-

[1.] उत्तरदायी सरकार :- लोकतंत्र में सरकार जनता द्वारा चयनित होती है अतः वह जनता के प्रति उत्तरदायी होती है। सरकार जनता को अधिकार एवं कर्तव्य प्रदान करती है।

(ii) **वैध सरकार:** लोकतंत्र में सरकार का चयन मतपत्रों द्वारा होता है। प्रत्येक नागरिक अपनी सूझ-बूझ से मताधिकार का प्रयोग कर एक वैध सरकार का गठन करता है।

(iii) **जिम्मेदार सरकार:-** लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि सरकार द्वारा उसे क्या अधिकार तथा किस प्रकार की सुविधायें प्राप्त हैं। जनता सरकार के प्रत्येक कार्य का विश्लेषण कर सकती है। अतः सरकार जनता के प्रति जिम्मेदार होती है।

प्रश्न सं.16:

उत्तर:- उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम भारत सरकार का एक ऐतिहासिक कदम था। इसके पीछे प्रमुख कारण निम्नवत हैं:

(i) **उपभोक्ता की सुरक्षा हेतु:-** उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत यदि कोई उत्पादक हानिकारक या पूर्ण सुरक्षा रहित वस्तुयें उपभोक्ता को प्रदान करता है तो उपभोक्ता की जान की हानि की संभावना के कारण उस पर कार्यवाही की जाती है।

[8.] स्वास्थ्य लाभ हेतु: कई बार उपभोक्ता को मिलावटी उत्पाद दे दिये जाते हैं जिससे उसके स्वास्थ्य को खतरा होता है। अतः ऐसा कोई उत्पाद पकड़े जाने पर इस अधिनियम के तहत उत्पादक को सजा मिल सकती है।

[9.] पूर्व समय में ऐसा कोई कानून न होना: उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम पारित होने का एक मुख्य कारण है कि पूर्व समय में इस प्रकार का कोई नियम नहीं था। अतः उपभोक्ताओं का स्वतंत्र रूप से शोषण होता था।

उपर्युक्त कारणों की वजह से COPRA act, 1986 के निर्माण की जरूरत पड़ी।

प्रश्न सं. 17:-

उत्तर:- खोज तथा बचाव दल आपदा के समय अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके प्रमुख कार्य निम्नवत हैं:-

[1.] खोज तथा बचाव दल आपदा के समय तथा आपदा से पूर्व शमन का कार्य करते हैं।

[2.] आपदा प्रभावित क्षेत्रों में अधिकाधिक जान व माल की रक्षा करना ही इन दलों

का कार्य होता है।

[3.] ये दल दुर्गम क्षेत्रों में जाकर फँसे हुये घायल व्यक्तियों को बचाते हैं,

[4.] ये दल घायल अथवा पीड़ित व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा तथा DRABC प्रणाली से सहायता प्रदान करते हैं।

[5.] ये दल आपदा न्यूनीकरण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं व आपदा के प्रभाव को कम करते हैं।

उत्तर सं. 12 :-

उत्तर :- हम जानते हैं कि उत्तराखंड भूकंप जोन IV व V में आने वाला राज्य है। अतः यहाँ भवन निर्माण हेतु निम्न विधियों का ध्यान रखना चाहिये।

[1] भवन निर्माण के समय मज़बूत कॉलम डालकर ही निर्माण करना चाहिये जिससे भवन में किसी भी प्रकार का भ्रंश अथवा दरार न पड़े।

[2] भवन निर्माण आयताकार आकृति में ही होना चाहिये।

[3.] भवन निर्माण के समय सीमेंट तथा बजरी का मिश्रण सही अनुपात 3:1 में ही होना चाहिये जिससे भूकंप आने पर भी

भवन मजबूति मजबूती से खड़ा रहे।

(ख) भवन निर्माण करते समय सुरक्षित निर्माण विधियों का ध्यान रखना चाहिये।

(ग) भवन का निर्माण अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में नही करना चाहिये।

प्रश्न सं.19:

उत्तर: फ्राँसीसी उपनिवेशकारों ने वियतनाम में टोंकिन फ्री स्कूलों की स्थापना की स्थापना की। उपनिवेशकारों द्वारा टोंकिन फ्री स्कूलो के पीछे मूल उद्देश्य वियतनामियों को उनकी संस्कृति भुलाना व उनका विवेक क्षीण कर उन पर राज करना था। वे वियतनामियों को भी फ्राँसीसी संस्कृति सिखाना चाहते थे।

इन स्कूलो की मुख्य विशेषतायें निम्नवत हैं:

1. इन स्कूलों में स्वच्छता की विशेष शिक्षा दी जाती थी।

2. स्कूल पूरा हो जाने के बाद विद्यार्थियों की कुछ अतिरिक्त कक्षायें भी ली जाती थी जिनमें उन्हे फ्राँसीसी भाषा सिखाई

जाती थी।

(ञ) इन स्कूलों में विद्यार्थियों को फ्रांसीसी सभ्यता व तौर तरीके सिखाये जाते थे व फ्रांसीसी संस्कृति को ही सर्वश्रेष्ठ माना जाता था।

(ट) इन स्कूलों में वियतनामियों को छोटे बाल रखने की नसीहत दी जाती थी जबकि वियतनामी परंपरागत रूप से लंबे बाल ही रखते थे।

(ठ) वहाँ बाल कटाई श्लोक भी प्रचलित थे- जैसे- एक हाथ में कंघा है तो दूसरे में कैंची।

प्रश्न सं. २०:

उत्तर: (क) 26 जनवरी, 1930 का महत्व:

(i) 26 जनवरी, 1930 हमारे भारत के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है।

(ii) 26 जनवरी सन् 1930 को कॉंग्रेस का लाहौर में अधिवेशन हुआ।

(iii) इसी दिन पण्डित जवाहरलाल नेहरू जी के नेतृत्व में रावी नदी के तट पर सभी सदस्यों ने भारत को पूर्ण स्वराज घोषित किया।

[4] उन्होने जल्द ही अंग्रेजो को देश से बाहर खदेड़ने तथा अपने देश को स्वराज्य घोषित करने की शपथ खाई।

[5] इस दिन के इसी महत्व के कारण हमारा संविधान 26 नवंबर 1949 को तैयार हो जाने के बाद भी 26 जनवरी 1950 को ही लागू किया गया।

(ख) रॉलेट एक्ट

उत्तर [1] रॉलेट एक्ट 1919 में ब्रिटेन के Imperial Legislative council द्वारा लागू किया गया था।

[2] इसे काला कानून भी कहते हैं।

[3] प्रथम विश्व युद्ध के चलते जब ब्रिटिश ताकते कमजोर पड़ने लगीं तो भारतीय आंदोलनकारी विद्रोह की तैयारी करने लगे।

[4] इस विद्रोह का दमन करने हेतु ही रॉलेट एक्ट पास किया गया।

[5] इस एक्ट के चलते किसी भी आंदोलनकारी को बिना मुकदमे के दो साल तक कारावास में रख सकते थे।

[6] इस एक्ट ने भारतीयों की स्वतंत्रता का पूर्ण रूप से हनन कर लिया जिससे जनता में

रोष फैल गया।

प्रश्न सं.21:-

उत्तर:- संसाधन

प्रकृति में उपलब्ध वे वस्तुयें जिनका उपयोग हम अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये करते हैं, संसाधन कहलाती हैं।

संसाधन मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं:-

1. प्राकृतिक संसाधन:- जल, वृक्ष इत्यादि.
2. मानवनिर्मित संसाधन:- तकनीकी वस्तुयें

:- संसाधनों के संरक्षण के उपाय:-

1. **अधिकाधिक वृक्षारोपण:-** संसाधनों के संरक्षण हेतु हमें अधिकाधिक वृक्ष लगाने चाहिये क्योंकि वृक्ष प्राकृतिक संतुलन बनाये रखते हैं जिससे संसाधनों की स्थिति में सुधार आता है।

2. **सतत पोषणीय विकास को ध्यान में रख संसाधनों का प्रयोग:-** संसाधन-संरक्षण हेतु हमें सतत पोषणीय विकास की ओर

ध्यान देना चाहिये। अर्थात संसाधनों का ऐसे उपयोग करना कि वे दूषित भी न हो और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिये भी संरक्षित रहे।

(3) प्रदूषण कम करना :- बढ़ता प्रदूषण स्तर ही संसाधनों का सबसे बड़ा शत्रु है। अतः हमें प्रदूषण कम करना चाहिये जिससे संसाधनों को कोई नुकसान न पहुँचे।

प्रश्न सं. 22 :-

उत्तर :

जल प्रदूषण

मानवीय गतिविधियों जैसे — कारखाने खोलना व अपशिष्ट पदार्थों को जल में प्रवाहित करना इत्यादि से जल का दूषित होना ही जल प्रदूषण कहलाता है। आजकल जल प्रदूषण का स्तर इतना अधिक बढ़ गया है कि जलीय जीवों की मृत्यु होती जा रही है। अतः जल प्रदूषण एक सोचनीय विषय बन चुका है।

भारत की नदियों में कोलिफॉर्म (colliform) जीवाणु की बढ़ती संख्या जल प्रदूषण के बढ़ते हुये स्तर को दर्शाता है।

जल प्रदूषण दूर करने के उपाय निम्नवत है :-

1. हमें कल-कारखानों आदि के अपशिष्ट पदार्थ नदियों में प्रवाहित नहीं करना चाहिये।

2. आस्था के नाम पर पूजन सामग्री जल में प्रवाहित नहीं करनी चाहिये।

3. जल स्रोतों के आस-पास मल-मूत्र या वमन से जल को दूषित नहीं करना चाहिये।

4. कटे हुये बाल व अत्यंत हानिकारक रसायन इत्यादि जल में नहीं डालना चाहिये,

5. जल प्रदूषण दूर करने के लिये सरकार द्वारा चलाये जाने वाली मुहिम जैसे - नमामि गंगे मिशन इत्यादि में अपना योगदान देना चाहिये।

प्रश्न सं• 23:-

उत्तर:- संविधान की संघीय व्यवस्था

संविधान की संघीय व्यवस्था के अनुसार, संविधान के देश में शक्तियों का विकेंद्रीकरण दो या दो से अधिक स्तरों में करता है। इसी शासन प्रणाली या शासन व्यवस्था को संघीय संघवाद नाम दिया जाता है।

शेष उत्तर अगली कापी में→

संघीय व्यवस्था की
संविधान की मुख्य विशेषतायें निम्नवत् है:-

1. **शासन का विभाजन:-** संघीय शासन व्यवस्था में शासन का विभाजन दो या दो से अधिक स्तरों में होता है। भारत में शासन केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार व पंचायती राज व्यवस्था में विभाजित है।

2. **दोहरी नागरिकता दोहरा संविधान:** संघीय शासन व्यवस्था में दोहरी नागरिकता तथा दोहरे संविधान का प्रावधान है।

3. **कठोर एवं लिखित संविधान:-** संघीय शासन व्यवस्था में राष्ट्र का एक कठोर एवं लिखित संविधान होना अनिवार्य है।

4. **केंद्र का प्रभुत्व नहीं:** संघीय शासन व्यवस्था में प्रांत केंद्र की ही भांति शक्तिशाली होता है। अर्थात् केंद्र, प्रांतीय सरकार को बाध्य नहीं कर सकता।

प्रश्न सं. 24 :-

उत्तर :-

भारत में लैंगिक असमानता दूर करने के उपाय निम्नवत् हैं :-

1. भारत सरकार द्वारा भ्रूण लिंग पहचान को दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है।

2. भारत सरकार ने सभी क्षेत्रों जैसे सेना, लड़ाकू विमान इत्यादि में भी लड़कियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किये हैं।

3. राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं को आगे लाने के लिये उन्हें एक-तिहाई पदों का आरक्षण प्रदान किया गया है।

4. कन्या भ्रूण हत्या को अपराध घोषित किया गया है तथा इसके लिये जुर्माना व कारावास-काल भी निश्चित किया गया है।

5. स्त्री शिक्षा अनिवार्य कर दी गई है जिससे लड़कियाँ शिक्षा के क्षेत्र में लड़कों से पीछे न रहें।

6. महिला सुरक्षा हेतु अनेक हेल्पलाईन नंबर चालित किये गये हैं।

7. महिलाओं को सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग निःशुल्क दी जाती है जिससे महिलाये भी पुरुषों के समान ही

निडर बन सके।
भारत मे लैगिक असमानता को दूर करने के लिये सरकार द्वारा उपर्युक्त उपाय किये गये है।

प्रश्न सं॰ 25 :-

उत्तर :-

राष्ट्रीय राजनीतिक दल

वे राजनीतिक दल जिन्हे लोकसभा चुनाव में कुल वोटों का 6% मत प्राप्त हो तथा कुल निर्वाचित सीटों में से 4 सीटें प्राप्त हो जाती हैं, राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहलाते हैं।

ये दल राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव प्रक्रिया में भाग लेते हैं तथा सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत करते है। इसी कारण इन्हे राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहते हैं।

भारत में वर्तमान समय में अनेक राष्ट्रीय राजनीतिक दल कार्यरत हैं।

दो राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के नाम :-

1. भारतीय जनता पार्टी (BJP)
2. भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस (INC)

दो क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के नाम :-

1. शिवसेना
2. उत्तराखण्ड क्रांति दल (UKD)

प्रश्न सं॰ 26 :-

उत्तर :- असंगठित क्षेत्रकों में श्रमिकों का अत्यधिक शोषण देखने को मिलता है। अतः श्रमिकों के संरक्षण हेतु कुछ उपाय निम्नवत है।

[1] असंगठित क्षेत्रकों में कार्यरत लोगों के लिये भी कुछ नियमों का निर्माण होना चाहिये जिससे किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ कार्यवाही की जा सके।

[2] असंगठित क्षेत्रकों में भी वेतन निश्चित होना चाहिये जिससे श्रमिकों का आर्थिक अथवा वित्तीय शोषण न हो सके।

[3] इन क्षेत्रकों में समय तो अनिश्चित रहता है परंतु अतिरिक्त कार्य का वेतन भी दिया जाना चाहिये।

[4.] असंगठित क्षेत्रकों में मालिकों जैसे दुकानदार, जमींदार इत्यादि को श्रमिकों से सही व्यवहार रखना चाहिये व मौखिक (शब्दों से) या शारीरिक शोषण नहीं करना चाहिये।

[5.] श्रमिकों को अपनी क्षमता या कार्य के हिसाब से ही वेतन मिलना चाहिये।

इस प्रकार असंगठित क्षेत्रकों को भी संगठित (व्यवस्थित) कर श्रमिकों के शोषण को रोका जा सकता है

प्रश्न सं॰ 27:-

उत्तर :- **विकास में ऋण की भूमिका :-**

किसी राष्ट्र के विकास मे ऋण (credit) की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस तथ्य के पक्ष मे तर्क निम्नवत है:-

1. **उद्योगों व कारखाने स्थापित करने में:-** उद्योगों से होने वाला आयात - निर्यात आर्थिक विकास की रीढ़ होता है। परंतु उद्योग व कारखाने स्थापित करने के लिये धन बैंको से प्राप्त ऋण द्वारा ही आता है। उद्योगपति ऋण की सहायता से ही उद्योग - धंधे स्थापित करते हैं जिनसे आर्थिक विकास होता।

2. **प्राथमिक (कृषि) क्षेत्रक में:-** कृषि क्षेत्रक में किसानो का उत्पादन में होने वाली सभी प्रकार की लाभ - हानि के लिये ऋण की आवश्यकता होती है। किसान उत्पादन में उन्नत विधियो को अपनाकर उत्पादन बढ़ाते हैं जिससे राष्ट्र मे खाद्यान्न की कमी नही होती व विकास समुचित रूप से होता रहता है।

3. **बैंको की आय:-** बैंक किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को सर्वाधिक प्रभावित करते हैं। चूँकि ऋण बैंको की आय का मुख्य स्रोत होते हैं इसीलिये ऋण अप्रत्यक्ष रूप से हमारे राष्ट्र के वित्तीय - विकास को

सँभालता है।

प्रश्न सं॰ 28 :

उत्तर :- वैश्वीकरण का प्रभाव एकसमान नहीं है। वैश्वीकरण के कारण कहीं सुलभता आई है तो कोई क्षेत्र ज्यों का त्यों ही है। इस तथ्य के पक्ष में तर्क निम्नवत् है :-

1. यातायात एवं संचार क्षेत्र :- क्योंकि यातायात एवं संचार ही वैश्वीकरण के प्रमुख कारक हैं तो वैश्वीकरण का सर्वाधिक प्रभाव भी इन्ही क्षेत्रों पर पड़ा है। वैश्वीकरण के कारण संचार क्षेत्र में तकनीकी विकास तथा यातायात क्षेत्र में तीव्रता देखने को मिली है।

2. कृषि एवं लघु उत्पादन क्षेत्र :- कृषि तथा लघु उत्पादन क्षेत्रों को वैश्वीकरण ने प्रभावित नहीं किया है। इन क्षेत्रों में यह प्रभाव न के बराबर है, क्योंकि अभी भी कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो इस आधुनिक विश्व से अछूते हैं, जैसे आज भी कई स्थान ऐसे हैं जहाँ संपूर्ण विश्व में अपनायी जाने वाली कृषि उत्पादन युक्तियाँ नहीं अपनायी जाती।

3. वैश्वीकरण तथा संस्कृति :- वैश्वीकरण के कारण संस्कृति थोड़ी-बहुत प्रभावित हुई है परन्तु पूर्णत: नहीं। विश्व के

कुछ देश, तो अन्य संस्कृतियों की ओर आकर्षित हुये परन्तु अधिकतम राष्ट्र अपनी संस्कृतियों पर ही अटल रहे। अर्थात वैश्वीकरण के प्रभाव के बावजूद भी वे अन्य राष्ट्रों से मिले नहीं हैं।

इस प्रकार वैश्वीकरण ने कुछ क्षेत्रों को प्रभावित किया है परंतु कुछ क्षेत्रों में इसका प्रभाव गौण है। अतः "वैश्वीकरण का प्रभाव एकसमान नहीं है।"

प्रश्न सं॰ 29:-

उत्तर :- मानचित्र अगले पृष्ठ पर:-

2019 **234 (HUJ)**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

प्रश्न संख्या 29 के लिए
(For Q. No. 29)

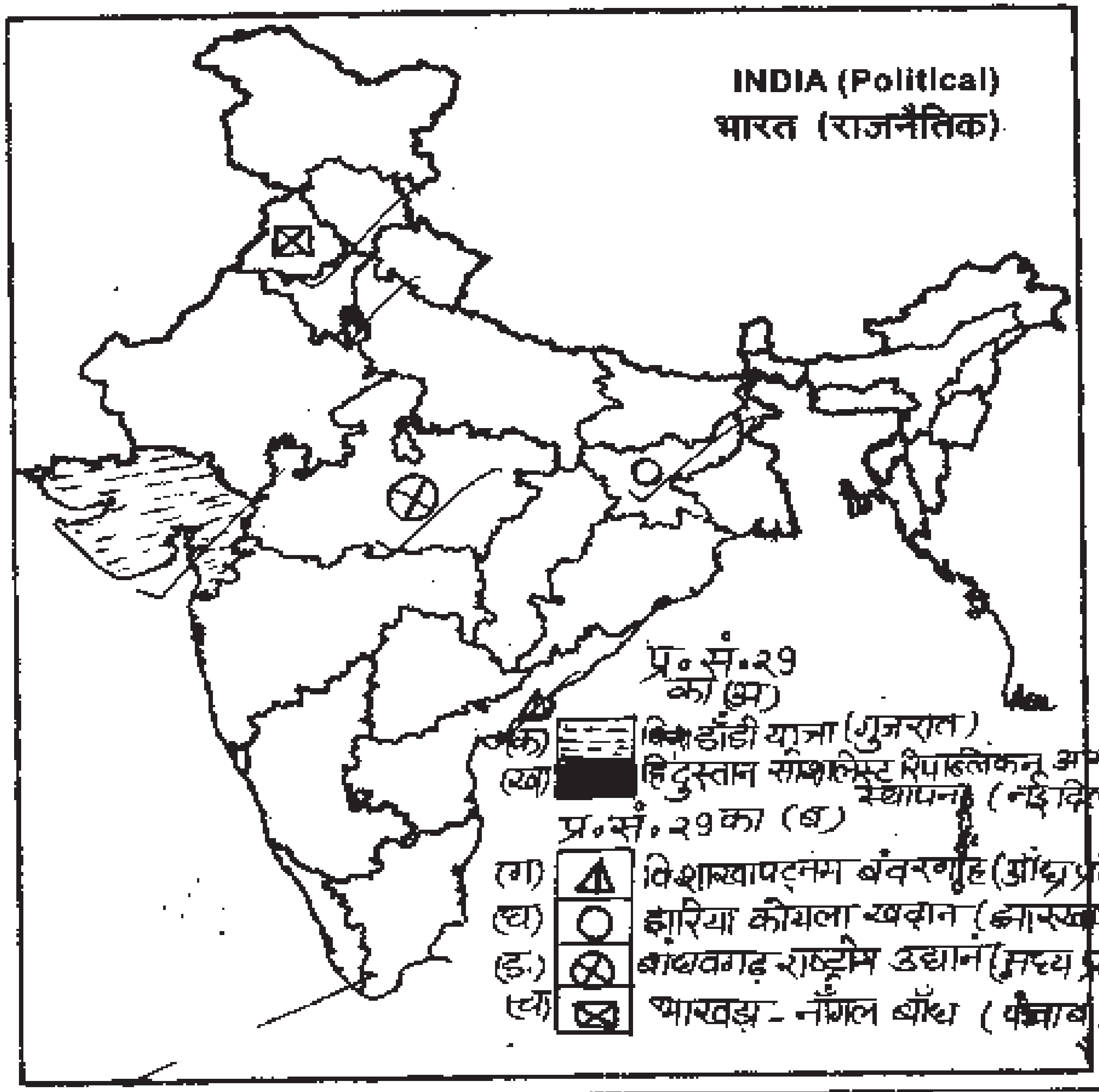

केवल परीक्षकों के लिए (For Examiners Only)	प्रश्न संख्या 29 (Q. No. 29)	अ (A)		ब (B)			
		क (a)	ख (b)	ग (c)	घ (d)	ङ (e)	च (f)
	प्रदत्त अंक (Marks Provided)						